कौन हैं भवानी देवी?

भवानी देवी ने तलवारबाजी में भारत की तरफ से कई कीर्तिमान गढ़े हैं। वह दुनिया में 42वें नंबर की खिलाड़ी हैं। शुरुआत कॉमनवेल्थ खेलों में ब्रॉन्ज मेडल के साथ हुई। ये बात है 2009 की। फिर इंटरनैशनल ओपन, कैडेट एशियन चैम्पियनशिप, अंडर–23 एशियन चैम्पियनशिप समेत कई टूर्नामेंट्स में भवानी ने मेडल्स अपने नाम किए। वह अंडर–23 में एशियन जीतने वाली पहली भारतीय हैं।

क्या खूब लड़ी अपनी तलवार वाली भवानी देवी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। 26 जुलाई 2021 का दिन भारतीय तलवारबाजी के इतिहास में दर्ज हो चुका है। दुनिया के सबसे बड़े खेलों ओलिंपिक में किसी भारतीय की तलवार आज पहली बार लहराई है। वो भवानी देवी की तलवार थी। भवानी ओलिंपिक में हिस्सा लेने वाली पहली भारतीय तलवारबाज हैं। दुनिया ने उन्हें अब नोटिस किया है, मगर तलवारबाजी में भवानी का अपना अलग मुकाम है, ठीक अपने नाम की तरह। उनका ओलिंपिक का सफर भले ही दूसर राउंड में खत्म हो गया हो, मगर भवानी ने अपनी फुर्ती से गहरी छाप छोड़ी है। तलवारबाजी यानी फेंसिंग 1896 से ओलिंपिक का हिस्सा रही है, मगर कोई भारतीय इसके लिए क्वालिफाई नहीं कर पाया था। भवानी ने अपनी तलवार से उस चुनौती को चीरकर रख दिया। ओलिंपिक में भवानी का दूसरा मुकाबला फ्रांस की मेनोन ब्रुनेट के साथ था। पहले राउंड में 2–9 से पिछड़ने के बावजूद भवानी ने हिम्मत नहीं हारी और एक वक्त तक स्कोर को 6–11 तक लाने में कामयाब रहीं।

सिल्वर मेडल जीतकर भारत लौटीं मीराबाई चानू

स्वागत

भारत माता की जय के नारों से गूंजा एयरपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। तोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रचने वाली वेटलिफ्टर का दिल्ली एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर ही उनका आरटी–पीसीआर टेस्ट भी हुआ। इस दौरान उनके साथ सेल्फी लेने वालों की भीड़ देखी गई। चीन की महिला वेटलिफ्टर हो जजिहू ने शनिवार को तोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। इस स्पर्धा का सिल्वर मेडल भारत की मीराबाई चानू ने जीता था। खबरों के मुताबिक 49 किलोग्राम में चैंपियन बनीं चीन की महिला वेटलिफ्टर का दोबारा डोप टेस्ट होगा। यदि चीनी वेटलिफ्टर डोप टेस्ट में फेल होती हैं तो चानू को गोल्ड मेडल मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक एंटी डोपिंग अधिकारियों ने जजिहू को दोबारा डोप टेस्ट के लिए तोक्यो में ही रहने का निर्देश दिया है।

जजिहू ने कुल 220 किलो वजन उठायाः जजिहू ने कुल 220 किलो वजन उठाकर नया ओलिंपिक रेकॉर्ड कायम किया था। जजिहू का डोप टेस्ट कब होगा, अभी इसको लेकर कोई जानकारी नहीं है। दूसरी ओर मीराबाई चानू आज शाम तोक्यो से स्वदेश लौट रही हैं।

जजिहू ने स्नेच और क्लीन एंड जर्क में बनाए थे ओलिंपिक रेकॉर्डः चीन की महिला वेटलिफ्टर ने स्नेच में 94 किलो वजन उठाकर ओलिंपिक रेकॉर्ड कायम किया था जबकि क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 116 किलो का भार उठाकर नया ओलिंपिक रेकॉर्ड कायम किया। मीराबाई ने स्नेच में 87 किलो वजन उठाया वहीं क्लीन एंड जर्क में 115 किलो का भार उठाया। मीराबाई आखिरी प्रयास में 117 किलो वजन उठाने में असफल रहीं।

क्या कहता है नियमः नियम यह कहता है कि यदि एथलीट डोप टेस्ट में फेल हो जाता है तो सिल्वर जीतने वाले मेडलिस्ट को गोल्ड दे दिया जाएगा। मीराबाई चानू ने कुल 202 किलोग्राम वजन उठाया था। कर्णम मलेश्वरी के बाद ओलिंपिक में वेटलिफ्टिंग में पदक जीतने वाली मीराबाई दूसरी भारतीय हैं।

मेंस बॉक्सिंग में लगातार तीसरे दिन हाथ लगी मायूसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टोक्यो ओलिंपिक में मेंस बॉक्सिंग में एक बार फिर भारत को निराशा हाथ लगी। लगातार तीन दिन में तीन मुक्केबाज पहले ही दौर से बाहर हो गए हैं। विकास कृष्णन और मनीष कौशिक के बाद मेडल की रेस से आशीष कुमार भी बाहर हो गए हैं। आशीष कुमार (75 किग्रा) को राउंड ऑफ 32 में चीन के तुओहेता एर्बिके से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही वो टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों के मिडिलवेट (69–75 किग्रा) वर्ग की स्पर्धा से बाहर हो गए।

चीन की तुओहेता ने पहले दौर में 5–0 से जीत हासिल की और आशीष को बैकफुट पर ढकेल दिया। अगले दौर में भी कुछ नहीं बदला। इसमें भी चीनी बॉक्सर को जीत मिली। आशीष फाइनल राउंड में भी वापसी नहीं कर पाए और उन्हें ओलंपिक से बाहर होना पड़ा। बता दें कि शनिवार को बॉक्सिंग में भारत की नौ सदस्यीय टीम की शुरुआत निराशाजनक रही थी। मुक्केबाज विकास कृष्ण (69 किग्रा) पहले मुकाबले में जापान के सेवोनरेट्स क्विंसी मेनसाह ओकाजावा के खिलाफ 0–5 की करारी शिकस्त झेलकर बाहर हे गए थे।

आशीष कुमार का भी सफर समाप्त

इसके बाद एमसी मेरी कोम (51 किग्रा) ने शुरुआती दौर में डोमिनिका गणराज्य की मिगुएलिना हर्नांडिज गार्सिया पर शानदार जीत से प्री–क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन मनीष कौशिक (63 किग्रा) को यहां खेलों में पदार्पण निराशाजनक रहा और वह पहले दौर में हार गए। लंदन ओलिंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता मेरी कोम ने अपने से 15 साल जूनियर और पैन अमेरिकी खेलों की कांस्य पदक विजेता को 4–1 से शिकस्त दी। मेरी कोम रिंग में उतरने वाली पहली भारतीय मुक्केबाज रहीं और यह मुकाबला भी शुरू से काफी रोमांचक रहा, जिसमें 38 वर्षीय मणिपुरी मुक्केबाज ने कुछ शानदार तकनीक दिखाई और गार्सिया की कड़ी चुनौती को पस्त किया। वहीं राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मनीष को ब्रिटेन के ल्यूक मैककोरमैक से रोमांचक मुकाबले में 1–4 से हार का सामना करना पड़ा।

कप्तान शिखर धवन ने की सूर्यकुमार यादव की तारीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। भारतीय कप्तान शिखर धवन ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल में जीत हासिल करने के बाद सूर्यकुमार यादव की दिल खोलकर तारीफ की है। भारत ने रविवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में 38 रन से जीत हासिल की। अपना तीसरा टी20 इंटरनैशनल मुकाबला खेल रहे सूर्यकुमार यादव ने दूसरी हाफ सेंचुरी लगाई। उनकी पारी की मदद से भारत ने 5 विकेट पर 164 का स्कोर हासिल किया। धवन और सूर्यकुमार ने दूसरे विकेट के लिए 48 गेंद पर 62 रन की साझेदारी की। इस पार्टनरशिप ने भारतीय मध्यक्रम को थोड़ा सहारा दिया। मुंबई के इस 30 वर्षीय बल्लेबाज ने 34 गेंद पर 50 रन की पारी की। इस दौरान उन्होंने पांच चौके और दो छक्के लगाए। शिखर धवन ने मैच के बाद प्रजेंटेशन के दौरान कहा, मैंने सोचा था कि हमने 10–15 रन कम बनाए थे। लेकिन हमें लगा कि यह फिर भी अच्छा स्कोर है। पहली गेंद पर विकेट खोने के बाद हमने काफी अच्छी बल्लेबाजी की।

न्यूज डायरी

भारत का टेनिस अभियान समाप्त, सुमित नागल भी हुए बाहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक में भारत का टेनिस अभियान सोमवार को समाप्त हो गया, क्योंकि दुनिया के 160वें नंबर के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को मेंस सिंगल्स के दूसरे दौर में रूस के दिग्गज खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव से हार मिली। डेनिल मेदवेदेव ने भारतीय खिलाड़ी सुमित नागल को 6–2, 6–1 से सीधे सेटों में हरा दिया। सुमित नागल और डेनिल मेदवेदेव के बीच ये मुकाबला टोक्यो के एरिएक टेनिस पार्क में खेला गया। स्टैंड से हमवतन अंकिता रैना और सानिया मिर्जा का समर्थन सुमित नागल को मिला और उन्होंने ठोस क्रॉसकोर्ट बैकहैंड और अपने मजबूत अंदरूनी फोरहैंड के साथ अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन के फाइनलिस्ट डेनिल मेदवेदेव ने भारतीय खिलाड़ी की सर्विस गेम्स पर लगातार दबाव बनाया और उन्हें एक भी बार आगे निकलने का मौका नहीं दिया। दूसरी ओर सुमित नागल मैच में एक भी बार ब्रेक प्वाइंट नहीं अर्जित कर सके।

ईशान किशन ने विकेट के पीछे दिखाई गजब फुर्ती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर ईशान किशन ने रविवार को अपने खेल से देखने वालों का दिल खुश कर दिया। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में सीरीज के पहले टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने बहुत फुर्तीली स्टंपिंग की। उनके इस खेल ने न सिर्फ भारत को जीत के करीब पहुंचाया बल्कि साथ ही वरुण चक्रवर्ती को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहला विकेट भी दिलवाया। यह श्रीलंकाई पारी के 18वें ओवर की बात है। श्रीलंका को जीत के लिए 42 रन की जरूरत थी। वरुण ने दासुन शनाका को गेंद फेंकी। श्रीलंकाई बल्लेबाज ने उसे खेलने के लिए आगे कदम निकाला लेकिन वह अपना बैलंस नहीं बना पाए। उनका पिछला पैर हवा में था। किशन ने गेंद पकड़ने में देर नहीं की और फौरन स्टंप कर दिया। बल्लेबाजों को हालांकि इस बात का अहसास नहीं रहा। वे रन लेने के लिए दौड़ पड़े।

महज 13 साल की इस लड़की ने टोक्यो ओलंपिक में जीता गोल्ड मेडल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यो में ओलंपिक खेल जारी हैं। इसी मेगा इवेंट में मेजबान देश यानी जापान की महज 13 साल की एक खिलाड़ी ने गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा है। 13 वर्षीय मोमीजी निशिया ने महिला स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग खेल में सोमवार को यहां एरिएक पार्क में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। ओलंपिक में पहली बार स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग प्रतियोगिता को शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, ओलंपिक खेलों में सबसे कम उम्र के दो प्रतियोगियों ने स्वर्ण और रजत जीता है। स्वर्ण पदक विजेता मोमीजी ने अपना नाम इतिहास की किताबों में 15.26 अंक के साथ दर्ज किया। उनके अंतिम तीन रन (4.15, 4.66, और 3.43) पोडियम पर शीर्ष स्थान को सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त थे, क्योंकि उन्होंने ब्राजील की रेसा लील (13 साल) और 16 वर्षीय फुना नाकायामा को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

मनिका बत्रा का सफर खत्म, शरत कमल ने रखी पदक की आस बरकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विश्व रैंकिंग में 62वें नंबर की मनिका बत्रा का टोक्यो ओलिंपिक में सफर समाप्त हो गया है।तीसरे दौर में उन्हें ऑस्ट्रिया की सोफिया पोलकानोवा से 0–4 से हार का सामना करना पड़ा। वह यूक्रेन की 20वीं वरीयता प्राप्त मारग्रेट पेसोत्सका को हराकर तीसरे दौर में पहुंची थी। वहीं अचंता शरथ कमल ने पदक की आस बरकरार रखी है। वह पुर्तगाल के टियागो अपोलोनिया को मेंस सिंगल इवेंट में हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर गए हैं। मनिका बत्रा और ऑस्ट्रिया की सोफिया पोलकानोवा के बीच मैच 27 मिनट तक चला। बत्रा और पोलकानोवा के बीच शुरू में टक्कर दिखाई दिया।